किसान कमाएं अधिक लाभ : डॉक्टर ए. के. सिंह

RIO NEWS24 11 hours ago कृषि, समाचार

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी. आर.सिंह के निर्देश के क्रम में सोमवार को निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ. ए.के. सिंह ने भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान अधिक लाभ कमाएं विषय पर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि भिंडी की खेती पूरे देश में की जाती है। डॉ. सिंह ने कहा की जायद की फसलों में भिंडी प्रमुख सब्जी फसल मानी जाती है। देशभर में इसकी भारी मांग रहती है। किसान भिंडी की फसल से एक सीजन में अच्छी आमदनी कमा सकते हैं।

डॉ. सिंह ने कहा कि फरवरी से मार्च तक अगेती किस्म की भिंडी बो सकते हैं। इसके लिए भिंडी की प्रमुख किस्में जैसे परभणी क्रांति, पूसा सावनी, पंजाब पद्मनी, पूसा A4, आर्का अनामिका, पंजाब 13 प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए दोमट, बलुई दोमट, मटियार दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए बीज को पानी में 24 से 36 घंटे के लिए भिगोकर रखा जाता है तत्पश्चात छायादार वाले स्थान पर सूखने के लिए रख दिया जाता है। इसके बाद बुवाई से पहले बीच को 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से किसी भी फफूंदी नाशक दवा जैसे थीराम या कार्बेंडाजिम में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। उन्होंने बताया कि जायद में 20 किलोग्राम भिंडी के बीज की प्रति हेक्टेयर आवश्यकता होती है तथा भिंडी की बुवाई करते समय कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 12 से 15 सेंटीमीटर रखनी चाहिए।उर्वरक प्रयोग के लिए बताया कि 45 किलोग्राम नाइट्रोजन, 22 किलोग्राम फास्फोरस तथा 22 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया कि नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की संपूर्ण मात्रा का प्रयोग अंतिम जुताई के समय करना चाहिए। बाकी नाइट्रोजन की आधी मात्रा में दो बार देना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान वैज्ञानिक विधि से खेती करते हैं तो 120 से 125 कुंतल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है। जिससे अच्छी आमदनी प्राप्त होगी।

Sign in to edit and save changes to this file.

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:16 | देहरादून, सोमवार , 07 फरवरी, 2022 | पृष्ठ:08

भिंडी की अगेती फसल लगाकर पाएं लाभ

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर.सिंह के निर्देश के क्रम मे निदेशक प्रसारध्समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसान भाइयों हेतु भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान अधिक लाभ कमाएं विषय पर एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि भिंडी की खेती पूरे देश में की जाती है डॉ सिंह ने कहा की जायद की फसलों में भिंडी प्रमुख सब्जी फसल मानी जाती है देशभर में इसकी भारी मांग रहती है।किसान भिंडी की फसल से एक सीजन में अच्छी आमदनी कमा सकते हैं डॉ सिंह ने कहा कि फरवरी से मार्च तक अगेती किस्म की भिंडी बो सकते हैं इसके लिए भिंडी की प्रमुख किस्में जैसे परभणी क्रांति, पूसा सावनी, पंजाब पद्मनी, पूसा 14, आर्का अनामिका,पंजाब 13 प्रमुख हैं उन्होंने बताया कि इसके लिए दोमट,बलुई दोमट, मटियार दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है उन्होंने कहा कि इसके लिए बीज को पानी में 24 से 36 घंटे के लिए भिगोकर रखा जाता है तत्पश्चात छायादार वाले स्थान पर सूखने के लिए रख दिया जाता है इसके बाद बुवाई से पहले बीच को 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से किसी भी फफूंदी नाशक दवा जैसे थीराम या कार्बेंडाजिम में अच्छी तरह मिला देना चाहिए उन्होंने बताया कि जायद में 20 किलोग्राम भिंडी के बीज की प्रति हेक्टेयर आवश्यकता होती है तथा भिंडी की बुवाई करते समय कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 12 से 15 सेंटीमीटर रखनी चाहिए उर्वरक प्रयोग के लिए बताया कि 45 किलोग्राम नाइट्रोजन, 22 किलोग्राम फास्फोरस तथा 22 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता पड़ती है उन्होंने बताया कि नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की संपूर्ण मात्रा का प्रयोग अंतिम जुताई के समय करना चाहिए बाकी नाइट्रोजन की आधी मात्रा में दो बार देना चाहिए उन्होंने कहा कि किसान वैज्ञानिक विधि से खेती करते हैं तो 120 से 125 कुंतल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है जिससे अच्छी आमदनी प्राप्त होगी

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

सोमवार, 07-02-2022 अंक-37
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

किसान भिंडी की अगेती फसल लगाकर बढ़ाएं अपनी कमायी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देश के क्रम में सोमवार को निदेशक प्रसार/समन्वयक डॉ. एके सिंह ने भिंडी की अगेती फसल के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत किसान अधिक लाभ कमा सकते हैं। उन्होंने बताया कि भिंडी की खेती पूरे देश में की जाती है। डॉ. सिंह ने कहा कि जायद की फसलों में भिंडी प्रमुख सब्जी फसल मानी जाती है। देशभर में इसकी भारी मांग रहती है। किसान भिंडी की फसल से एक सीजन में अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि फरवरी से मार्च तक अगेती किस्म की भिंडी बो सकते हैं। इसके लिए भिंडी की प्रमुख किस्में जैसे परभणी क्रांति, पूसा सावनी, पंजाब पद्मनी, पूसा 4, आर्का अनामिका, पंजाब 13 प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए दोमट, बलुई दोमट, मटियार दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए बीज को पानी में 24 से 36 घंटे के लिए भिगोकर रखा जाता है। इसके बाद छायादार वाले स्थान पर सूखने के लिए रख दिया जाता है। इसके बाद बुवाई से पहले बीच को दो ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से किसी भी फफूंदी नाशक दवा जैसे थीराम या कार्बेंडाजिम में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। उन्होंने बताया जायद किलोग्राम भिंडी के बीज की प्रति हेक्टेयर आवश्यकता होती है। तथा भिंडी की बुवाई करते समय कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 12 से 15 सेंटीमीटर रखनी चाहिए। उर्वरक प्रयोग के लिए बताया कि 45 किलोग्राम नाइट्रोजन ,22 किलोग्राम फास्फोरस तथा 22 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया कि नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की संपूर्ण मात्रा का प्रयोग अंतिम जुताई के समय करना चाहिए। बाकी नाइट्रोजन की आधी मात्रा में दो बार देना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान वैज्ञानिक विधि से खेती करते हैं तो 120 से 125 कुंतल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है, जिससे अच्छी आमदनी प्राप्त होगी।

दैनिक आज कानपुर महानगर 08/02/2022

भिंडी की अगेती फसल लगाकर अधिक लाभ कमाएं किसान

❑ मार्च तक भिंडी की बुवाई कर सकते हैं किसान

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 7 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी. आर.सिंह के निर्देश के क्रम में आज निदेशक प्रसार/समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसान भाइयों के लिए भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान अधिक लाभ कमाएं विषय पर एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि भिंडी की खेती पूरे देश में की जाती है। जायद की फसलों में भिंडी प्रमुख सब्जी फसल मानी जाती है। देशभर में इसकी भारी मांग रहती है। किसान भिंडी की फसल से एक सीजन में अच्छी आमदनी कमा सकते हैं। डॉ सिंह ने कहा कि फरवरी से मार्च तक अगेती किस्म की भिंडी बुवाई कर सकते हैं। इसके लिए भिंडी की प्रमुख किस्में जैसे परभणी क्रांति, पूसा सावनी, पंजाब पद्मनी, पूसा ,4, आर्का अनामिका,पंजाब 13 प्रमुख हैं। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि इसके लिए दोमट,बलुई दोमट, मटियार दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए बीज को पानी में 24 से 36 घंटे के लिए भिगोकर रखा जाता है तत्पश्चात छायादार वाले स्थान पर सूखने के लिए रख दिया जाता है। इसके बाद बुवाई से पहले बीच को 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से किसी भी फफूंदी नाशक दवा जैसे थीराम या कार्बेंडाजिम में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। उन्होंने बताया कि जायद में 20 किलोग्राम भिंडी के बीज की प्रति हेक्टेयर आवश्यकता होती है। तथा भिंडी की बुवाई करते समय कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 12 से 15 सेंटीमीटर रखनी चाहिए।उर्वरक प्रयोग के लिए बताया कि 45 किलोग्राम नाइट्रोजन ,22 किलोग्राम फास्फोरस तथा 22 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया कि नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की संपूर्ण मात्रा का प्रयोग अंतिम जुताई के समय करना चाहिए। बाकी नाइट्रोजन की आधी मात्रा में दो बार देना चाहिए।उन्होंने कहा कि किसान वैज्ञानिक विधि से खेती करते हैं तो 120 से 125 कुंतल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है। जिससे अच्छी आमदनी प्राप्त होगी।

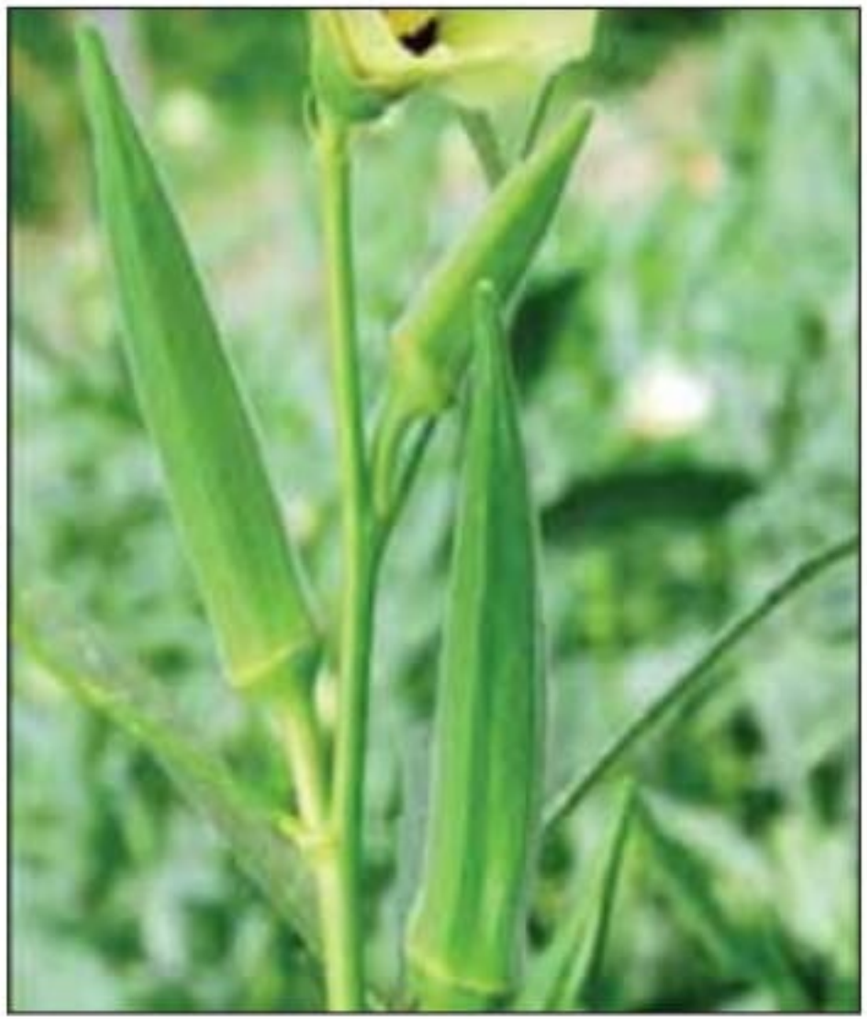

edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

हरिद्वार में अरविंद केजरीवाल ने जारी किया... 12

'योगी' के खिलाफ सपा से सुभावती शुक्ला को टिकट 05

जन एक्सप्रेस

लखनऊ

वर्ष: 13 | अंक: 117

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | मंगलवार | 08 फरवरी, 2022

जायद की फसलों में भिंडी का प्रमुख स्थान

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

जायद की फसलों में भिंडी का प्रमुख स्थान है पूरे देश में इसकी खेती होती है। भिंडी की अगेती किस्म को फरवरी से मार्च तक बोया जा सकता है। सीएसएयू के कुलपति डॉ.डी. आर.सिंह के निर्देश क्रम में सोमवार को निदेशक प्रसार/समन्वयक डॉ. ए. के. सिंह ने किसानो के लिए भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान अधिक लाभ कमाएं विषय पर एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि भिंडी की मांग देशभर में है इसकी प्रमुख किस्में जैसे परभणी क्रांति, पूसा सावनी, पंजाब पद्मनी, पूसा ए 4, आर्का अनामिका,पंजाब 13 हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए दोमट, बलुई दोमट, मटियार दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए बीज को पानी में 24 से 36 घंटे के लिए भिगोकर रखने के बाद छायादार स्थान पर सूखने के लिए रख दिया जाता है तथा बुवाई से पहले बीज को 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से फफूंदी नाशक दवा थीराम या कार्बेंडाजिम में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। उन्होंने बताया कि जायद में 20 किलोग्राम भिंडी के बीज की प्रति हेक्टेयर आवश्यकता होती है।इसकी बुवाई करते समय कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 12 से 15 सेंटीमीटर रखनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उर्वरक प्रयोग के लिए 45 किलोग्राम नाइट्रोजन ,22 किलोग्राम फास्फोरस तथा 22 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। नाइट्रोजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा का प्रयोग अंतिम जुताई के समय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान वैज्ञानिक विधि से खेती कर 120 से 125 कुंतल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त कर सकते है।